खजाने में इस साल 221 अरब ज्यादा आए

अच्छी खबर-1

राज्य मुख्यालय | हेमंत श्रीवास्तव

आर्थिक सेहत सुधरी

- जीएसटी मद में करीब नौ हजार करोड़ रुपये अधिक आए
- परिवहन मद में भी राजस्व में इजाफा हुआ है
- कारोबारी गतिविधियां सामान्य स्थिति में पहुंच रही हैं

कोरोना से बचाव व इलाज के बीच चालू वित्तीय वर्ष में प्रदेश की आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों में अपेक्षा से अधिक सुधार नजर आ रहा है। कमोबेश वित्त विभाग के राजस्व आंकड़े तो कुछ ऐसा ही बता रहे हैं। इस वर्ष वित्तीय वर्ष में अक्तूबर तक प्रदेश सरकार के खजाने में पिछले साल की तुलना में 22109 करोड़ रुपये ज्यादा पहुंच चुके हैं। यही स्थिति रही तो वित्तीय वर्ष के बचे पांच महीनों में आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों में बड़े उछाल की उम्मीद की जा रही है।

वर्ष 2020-21 के बाद चालू वित्तीय वर्ष 2021-22 अभी तक कोरोना से प्रभावित रहा है। कोरोना संकट के बीच भी राज्य सरकार ने आर्थिक व कारोबारी गतिविधियों को चालू रखा। जिसकी वजह से इस वित्तीय वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार के राजस्व पर बहुत नकारात्मक असर नहीं हुआ है। हर महीने तय लक्ष्य का 70 से 80 फीसदी तक राजस्व खजाने में पहुंच रहा है।

पेट्रो व अन्य उत्पादों का बाजार लगातार बढ़ रहा: वित्त विभाग के आंकड़ें बता रहे हैं कि चालू वित्तीय वर्ष में अप्रैल से अक्तूबर के बीच वैट से 14287.47 करोड़ राज्य सरकार को मिला है। पिछले वित्तीय वर्ष के इसी अवधि में वैट से महज 10135.92 करोड़ ही मिले थे। यह बता रहा है कि राज्य में निजी, सरकारी व कामर्शियल वाहनों का आवागमन बढ़ा है।

संपत्तियों की बिक्री बढ़ी तो शराब का उपभोग भी बढ़ा

स्टांप व निबंधन मद में अप्रैल से अक्तूबर तक 11164.20 करोड़ रुपये खजाने में पहुंच चुके हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में इस अवधि में कुल 7317.78 करोड़ रुपये ही सरकार को मिले थे। वहीं चालू वित्तीय वर्ष में अक्तूबर तक आबकारी मद में 18794.15 करोड़ रुपये सरकार को मिल चुके हैं जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में अक्तूबर तक आबकारी मद से 14464.30 करोड़ रुपये मिले थे। स्टांप व निबंधन मद में मिले अधिक कर से यह पता चल रहा है कि कोरोना के प्रभाव में कमी आने पर राज्य में संपत्तियों की खरीद फरोख्त में वृद्धि हुई है।